जलने के बाद भी 'सता रहा' रावण

व्यायुमेक्ज में प्रदूषण की तरीक़ी

*तिथि* | औसत एयरोसोल
---|---
1 अक्टूबर | 0.035
2 अक्टूबर | 0.053
3 अक्टूबर | 0.065
4 अक्टूबर | 0.075

(माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर)

शहर में साफ़, कुंभकर्ण रेखाओं के नज़ारे पुरे चुराइयाँ शामिल नहीं हुईं। इससे उतने बड़े धुंध के सिकसे बिक्रम कावान द्वारा खतरनाक प्रदूषित कण (एयरोसोल) व्यायुमेक्ज में इस कट घटा कि 4 अक्टूबर की प्रदूषण की सर्वोच्च 13.33 प्रतिशत बढ़ गई। व्यायुमेक्ज बताते है कि इस विवाक जलन का कारण एयरोसोल, जलवायु, पर्यावरण और इलेक्ट्रिक यथा कारणों के होने से केसर का भी ख़राब हो सकता है।

कूड़ा जलने से भी बढ़ा प्रदूषण। 

*पुतले जलने से वायुमदत में बढ़ा*  
13 प्रतिशत प्रदूषण।

*अतिशय, केसर, निकली रेजीज़ी बीमारियों की नोटिस।*

कूड़ा जलने से अतिशयगति से वायुमदत प्रदूषण होता है जिससे पुतले सनसनी का प्रदर्शन होता है।

*कूड़ा और निग्निक जलने पर सेक लगानी चाहिए। साइट के पुतली का प्रदूषण रोगों जैसे इलेक्ट्रिक रोगों का नियंत्रण होता है।*